सं०-प्रोराजसिंविवि/कुसका/2021-605
दिनांक - 11 दिसम्बर, 2021

बी.सी.ए. पाठ्यक्रमों हेतु समस्त महाविद्यालयों के लिए दिशानिर्देश

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में परीक्षा प्रणाली में क्रेडिट एवं ग्रेडिंग लागू करने हेतु सामान्य दिशानिर्देश"

- ये समस्त दिशानिर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में वर्तमान परीक्षा प्रणाली को क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली में परिवर्तित करने एवं उनको नियमानुसार प्रभावी करने हेतु जारी किये जा रहे हैं।
- प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज से सम्बद्ध बी.सी.ए. पाठ्यक्रम संचालित करने वाले समस्त राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों पर ये दिशानिर्देश लागू होंगे तथा समस्त महाविद्यालयों को इन सभी दिशानिर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा।
- ये समस्त दिशानिर्देश सत्र **2021-22** से प्रवेश लेने वाले बी.सी.ए. पाठ्यक्रमों में होने वाली सभी परीक्षाओं पर अनिवार्यतः लागू होंगे तथा पूर्व में निर्धारित परीक्षा प्रणाली स्वतः संशोधित मानी जाएगी।

परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था -

- बी.सी.ए. पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं पूर्व की भांति सेमेस्टर पद्धति से ही होंगी।
- सभी प्रश्नपत्र **100 अंक** के होंगे, जिनको क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली के आधार पर परिवर्तित करके अंकपत्र तैयार किये जायेंगे।
- सभी प्रश्नपत्रों हेतु 100 अंकों में से 75 अंकों की बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय परीक्षा) तथा 25 अंकों की आंतरिक परीक्षा (सतत आंतरिक मूल्यांकन) होगा। (Annexure-1)
- प्रायोगिक, परियोजना इत्यादि प्रश्नपत्र भी 100 अंक के होंगे, जिनमें 75 अंकों की बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय परीक्षा) तथा 25 अंकों की आंतरिक परीक्षा (सतत आंतरिक मूल्यांकन) होगा। (Annexure-1)
- प्रत्येक सेमेस्टर में सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक/परियोजना प्रश्नपत्रों में सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Evaluation) तीन अवसरों पर किया जाएगा। प्रत्येक आंतरिक मूल्यांकन का पूर्णांक 12.5 अंक एवं अधिकतम कालावधि एक घण्टे की होगी।

- सैद्धांतिक विषयों में इन तीन सतत आंतरिक मूल्यांकन में से कम से कम दो मूल्यांकन लिखित परीक्षण एवं तीसरा मूल्यांकन लिखित/ सेमिनार/ असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण आदि के रूप में होगा। लिखित परीक्षा वर्णनात्मक (लघुउत्तरीय) प्रकार की होगी।

- उदाहरणार्थ :

सतत आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)					
Continuous Internal Evolution (CIE) (सतत आंतरिक मूल्यांकन)	TEST – 1	TEST – 2	TEST – 3	BEST OF ANY TWO TEST	TOTAL
	(MM-12.50)	(MM-12.50)	(MM-12.50)	(Test-1/Test-2 /Test-3)	(MM-25)
PAPER – 1	6.00	7.00	5.00	6.00 + 7.00	**13.00**
PAPER - 2	4.00	8.00	9.00	8.00 + 9.00	**17.00**

- प्रायोगिक एवं परियोजना पाठ्यक्रमों का भी 25 अंकों का तीन अवसरों पर सतत आन्तरिक मूल्यांकन किया जायेगा। प्रायोगिक पाठ्यक्रमों में प्रायोगिक-1, प्रायोगिक-2, प्रायोगिक-3 तथा परियोजना वाले पाठ्यक्रमों में परियोजना-1, परियोजना-2 एवं परियोजना-3 के रूप में आन्तरिक मूल्यांकन किया जायेगा।

- तीन सतत आन्तरिक मूल्यांकन में से दो सर्वश्रेष्ठ प्राप्तांकों को बाह्य मूल्यांकन (विश्वविद्यालय परीक्षा) में पाये गए प्राप्तांकों के साथ जोड़ा जाएगा।

- प्रत्येक विद्यार्थी को सभी प्रश्नपत्रों (सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक/परियोजना) में कम से कम दो सतत आन्तरिक मूल्यांकन एवं बाह्य परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है अन्यथा उस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी को अनुपस्थित मानकर AB ग्रेड दिया जाएगा अर्थात विद्यार्थी को तीन सतत आन्तरिक मूल्यांकन में से कम से कम दो आन्तरिक मूल्यांकन में उपस्थित होना अनिवार्य होगा नहीं तो वह बाह्य परीक्षा हेतु पात्र नहीं होगा तथा विद्यार्थी को उस प्रश्नपत्र में अनुपस्थित माना जाएगा।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र का निर्माण एवं सम्बंधित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, उस प्रश्नपत्र का अध्यापन कार्य करने वाले शिक्षक द्वारा ही किया जाएगा।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन फीडबैक आधारित होगा। मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका विद्यार्थी को दिखाने एवं उनकी संतुष्टि के उपरान्त वापस ली जाएगी तथा परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद सम्बन्धित संस्था द्वारा कम से कम छः महीने तक सुरक्षित रखी जाएगी। विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यकतानुसार इनका परीक्षण किया जा सकता है।

- आन्तरिक मूल्यांकन के संदर्भ में सम्बंधित शिक्षक का निर्णय अन्तिम होगा।

- आन्तरिक मूल्यांकन में होने वाले समस्त व्यय को सम्बंधित संस्था द्वारा ही वहन किया जाएगा।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु समय-सारणी विश्वविद्यालय द्वारा जारी की जाएगी। प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन के अंक, द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन के पूर्व एवं द्वितीय के अंक, तृतीय के पूर्व तथा तृतीय मूल्यांकन के अंक बाह्य परीक्षा के 15 दिन पूर्व लॉगिन में अपलोड करना सुनिश्चित करना होगा। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय लॉगिन बंद होने के पश्चात अंक किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

- सम्बन्धित संस्था द्वारा सतत आन्तरिक मूल्यांकन, प्रायोगिक/परियोजना/मौखिकी परीक्षाओं के समस्त अभिलेख परिणाम घोषित होने के पश्चात कम से कम छः महीने तक सुरक्षित रखे जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यकतानुसार इनका परीक्षण किया जा सकता है।

- बाह्य मूल्यांकन (विश्वविद्यालय परीक्षा) विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में संपन्न कराई जाएगी।

- लिखित बाह्य मूल्यांकन (विश्वविद्यालय परीक्षा) 75 अंको की होगी।

- लिखित परीक्षा की कालावधि **2 घण्टे** एवं शब्द सीमा अधिकतम **2000** की होगी।

- लिखित परीक्षा के प्रश्नपत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित करते हुए बनाये जायेंगे। जिसमें अतिलघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रकार के प्रश्न होंगे और प्रश्नपत्र में प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दिए जायेंगे। विद्यार्थी को निम्नलिखित संख्या में प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा :-

प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	शब्द सीमा (प्रति प्रश्न)
अति लघुउत्तरीय प्रश्न	03	03 X 03 = 09	50 शब्द
लघुउत्तरीय प्रश्न	04	04 X 09 = 36	200 शब्द
दीर्घउत्तरीय प्रश्न	02	02 X 15 = 30	500 शब्द
कुल योग	**09**	**75**	**अधिकतम 2000**

- प्रायोगिक/परियोजना/मौखिकी पाठ्यक्रमों की बाह्य परीक्षाएं दो परीक्षकों (एक आतंरिक एवं एक बाह्य) द्वारा सम्पन्न कराई जाएंगी।

क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली :-

- समस्त विषयों में क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली लागू होगी। सैद्धांतिक विषयों हेतु एक क्रेडिट एक घण्टे के अध्यापन के बराबर होगा, जबकि प्रायोगिक विषयों हेतु एक क्रेडिट दो घण्टे के अध्यापन के बराबर होगा।

- सैद्धान्तिक पाठ्यक्रमों में 4 क्रेडिट के प्रश्न पत्र की कक्षाएँ सत्र में न्यूनतम 60 घण्टे, 2 क्रेडिट के प्रश्न पत्र की कक्षाएँ सत्र में न्यूनतम 30 घण्टे की होगी। जबकि प्रयोगात्मक पाठ्यक्रमों में 4 क्रेडिट के प्रश्नपत्र की कक्षाएँ न्यूनतम 120 घण्टे की तथा 5 क्रेडिट के प्रश्नपत्र की कक्षाएँ न्यूनतम 150 घण्टे की होगी।

सत्र	प्रश्नपत्र (क्रेडिट)	अध्यापन की न्यूनतम अवधि	
		सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम	प्रायोगिक पाठ्यक्रम
सेमेस्टर	2 क्रेडिट	30 घण्टे	60 घण्टे
सेमेस्टर	4 क्रेडिट	60 घण्टे	120 घण्टे
सेमेस्टर	5 क्रेडिट	75 घण्टे	150 घण्टे

- विद्यार्थी कुल 60 प्रतिशत क्रेडिट अर्जित करने के पश्चात ही अगले वर्ष/सेमेस्टर में प्रोन्नत किया जाएगा। 60 प्रतिशत से कम क्रेडिट प्राप्तांको की दशा में विद्यार्थी को पुनः अगले सत्र में उसी वर्ष/सेमेस्टर में प्रवेश लेकर अध्ययन करना होगा।
- **समस्त पाठ्यक्रमों में 10 पॉइंट ग्रेडिंग प्रणाली लागू होगी जो निम्नवत है :-**

लेटर ग्रेड	ग्रेड पॉइंट	विवरण	अंको की सीमा
O	10	Outstanding	90-100
A^+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B^+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-59
C	5	Average	40-49
P	4	Pass	35-39
F	0	Fail	0-34
AB	0	Absent	Absent

- **SGPA एवं CGPA की गणना निम्नवत सूत्र के तहत की जाएगी :**

SGPA (Si) =∑(Ci x Gi) /∑Ci	**यहाँ पर :** **Ci** = the number of credits of the ith course in a semester **Gi**= the grade point scored by the student in the ith course.
CGPA = ∑(Ci x Si) / ∑ Ci	**Si**= Si is the SGPA of the ith semester **Ci**= the total number of credits in the ith semester.